Serving Education for Last 40 Years

NEERAJ®

अर्थशास्त्र

(Economics)

N-318

Chapter wise Reference Book Including MCQ's & Many Solved Sample Papers

Based on

N.I.O.S. *Class* – XII

National Institute of Open Schooling

By : Manish Kumar, **M.A. (Economics)**

NEERAJ PUBLICATIONS

(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com

Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 380/-

CONTENTS

अर्थशास्त्र

(Economics)

Based on: **NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING – XII**

S.No.	*Chapters*	*Page*
	Solved Sample Paper - 1	**1–7**
	Solved Sample Paper - 2	**1–6**
	Solved Sample Paper - 3	**1–6**
	Solved Sample Paper - 4	**1–6**
	Solved Sample Paper - 5	**1–6**

S.No.	*Chapter*	*Page*
	मॉड्यूल – I: भारतीय आर्थिक विकास (Indian Economic Development)	
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन (Overview of Indian Economy)	1
2.	भारत में आर्थिक नियोजन (Economic Planning in India)	8
	मॉड्यूल – II: भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ (Current Challenges before the Indian Economy)	
3.	आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास (Economic Growth and Economic Development)	19
4.	बेरोजगारी, निर्धनता और असमानता की समस्या (The Problem of Unemployment, Poverty and Inequality)	26

S.No.	Chapter	Page
	मॉड्यूल - III: सांख्यिकी का परिचय (Introduction to Statistics)	
5.	सांख्यिकी : अर्थ, विषय क्षेत्र और अर्थशास्त्र में इसकी आवश्यकता (Statistics: Meaning, Scope and Its Need in Economics)	34
6.	आंकड़ों का संग्रह और वर्गीकरण (Collection and Classification of Data)	41
7.	आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण (Presentation of Data)	50
	मॉड्यूल - IV: सांख्यिकीय उपकरण (Statistical Tools)	
8.	केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप (Measures of Central Tendency)	59
9.	अपकिरण के माप (Measures of Dispersion)	69
10.	सहसंबंध विश्लेषण (Correlation Analysis)	80
11.	सूचकांक (Index Numbers)	89
	मॉड्यूल - V: अर्थशास्त्र का परिचय (Introduction to Economics)	
12.	अर्थशास्त्र : एक परिचय (Introduction to the Study of Economics)	93
13.	एक अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ (Central Problems of An Economy)	97
	मॉड्यूल - VI: उपभोक्ता का व्यवहार (Consumer's Behaviour)	
14.	उपभोक्ता का संतुलन (Consumer's Equilibrium)	107
15.	माँग (Demand)	116
16.	माँग की कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)	126
	मॉड्यूल - VII: उत्पादक का व्यवहार (Producer's Behaviour)	
17.	उत्पादन फलन (Production Function)	133
18.	उत्पादन की लागत (Cost of Production)	139

S.No.	Chapter	Page
19.	आपूर्ति (Supply)	149
20.	आपूर्ति की कीमत लोच (Price Elasticity of Supply)	158
	मॉड्यूल - VIII: बाजार और कीमत विभेदीकरण (Market and Price Determination)	
21.	बाजार के रूप (Forms of Market)	165
22.	पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत का निर्धारण (Price Determination Under Perfect Competition)	172
23.	एक प्रतियोगी फर्म का आगम और अधिकतम लाभ (Revenue and Profit Maximisation of a Competitive Firm)	180
	मॉड्यूल - IX: राष्ट्रीय आय लेखा (National Income Accounting)	
24.	राष्ट्रीय आय और सम्बन्धित समग्र (National Income and Related Aggregates)	187
25.	राष्ट्रीय आय और इसका मापन (National Income and Its Measurement)	196
	मॉड्यूल - X: आय और रोजगार का सिद्धांत (Theory of Income and Employment)	
26.	उपभोग, बचत और निवेश (Consumption, Saving and Investment)	200
27.	आय निर्धारण का सिद्धांत (Theory of Income Determination)	205
	मॉड्यूल - XI: मुद्रा, बैंकिग और सरकार का बजट (Money, Banking and Governmental Budget)	
28.	मुद्रा और बैंकिंग (Money and Banking)	214
29.	सरकार का बजट (Government and the Budget)	220

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

Solved Sample Paper - 1

Based on NIOS (National Institute of Open Schooling)

अर्थशास्त्र– XII

(Economics)

N-318

समय : 3 घंटे] **[कुल अंक : 100**

निर्देश: *(i)* इस प्रश्न-पत्र में कुल 50 प्रश्न हैं। *(ii)* **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। *(iii)* प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं। *(iv)* **खण्ड-क** में शामिल है। (क) प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न, जिनमें प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें और लिखें। इनमें से कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है। आपको ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक का ही उत्तर देना है। (ख) प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न, जिनमें प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है (1 अंक के 2 उपभागों के साथ)। प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार इन प्रश्नों के उत्तर दें। *(v)* **खण्ड-ख** में शामिल है (क) प्रश्न संख्या 36 से 42, 2 अंक के अति लघूत्तरीय प्रकार के प्रश्न, जिनके उत्तर 30 में 50 शब्दों में देने हैं। (ख) प्रश्न संख्या 43 से 48, 4 अंक के लघुत्तरीय प्रकार के प्रश्न, जिनके उत्तर 50 से 80 शब्दों में देने हैं। (ग) प्रश्न संख्या 49 और 50, 6 अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न, जिनके उत्तर 80 से 120 शब्दों में देने हैं।

खंड-क

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन-सा स्टॉक नहीं है?

(क) आय (ख) बचत
(ग) व्यय (घ) इनमें से, सभी

उत्तर–(घ) इनमें से, सभी।

अथवा

निम्नलिखित में से कौन-सी गैर-साधन आय है?

(क) ब्याज (ख) कर
(ग) मजदूरी (घ) लाभ

उत्तर–(ख) कर।

प्रश्न 2. वस्तु की व्यक्तिगत माँग प्रभावित होती है–

(क) वस्तु की कीमत से
(ख) क्रेता की आय से
(ग) संबंधित वस्तुओं की कीमतों से
(घ) इनमें से सभी

उत्तर–(घ) इनमें से सभी।

प्रश्न 3. जब एक बस्तु के क्रेता की आय और वस्तु की माँग में विपरीत संबंध होता है, तो वह वस्तु–

(क) बढ़िया वस्तु होती है
(ख) सामान्य वस्तु होती है
(ग) घटिया यस्तु होती है
(घ) आवश्यकता वाली वस्तु होती है

उत्तर–(ख) सामान्य वस्तु होती है।

अथवा

निम्नलिखित में से कौन-सा कारक एक वस्तु की बाजार मांग को प्रभावित करता है?

(क) क्रेताओं की संख्या (ख) मौसम
(ग) आय का वितरण (घ) इनमें से सभी

उत्तर–(घ) इनमें से सभी।

प्रश्न 4. अंतर्निहित लागत का अर्थ है–

(क) मौद्रिक लागत
(ख) सरकार द्वारा प्रदान की गई लागत
(ग) स्वयं आपूर्ति की गई आगतों की लागत
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(ग) स्वयं आपूर्ति की गई आगतों की लागत।

अथवा

कुल स्थिर लागत वक्र–

(क) ऋणात्मक दलात वाला होता है
(ख) OY-अक्ष के समानान्तर होता है
(ग) OX-अक्ष के समानान्तर होता है
(घ) धनात्मक ढलान वाला होता है

उत्तर–(ग) OX-अक्ष के समानान्तर होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से कौन-सी औसत उपभोग प्रवृत्ति की सही माप है?

(क) $\Delta C/\Delta Y$ (ख) $\Delta C/Y$
(ग) C/Y (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(ग) C/Y

अथवा

निम्नलिखित में से कौन उपभोग प्रवृत्ति को प्रभावित करता है?

(क) ब्याज की दर (ख) संपत्ति
(ग) आय का वितरण (घ) इनमें से सभी

उत्तर–(घ) इनमें से सभी।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से कौन-सी माध्यिका की विशेषता है?

(क) यह शृंखला के चरम मूल्यों से प्रभावित है
(ख) यह शृंखला के सभी मूल्यों पर आधारित होती है
(ग) इसका खुले सिरे चाले आवृत्ति वितरण में आकलन नहीं किया जा सकता
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(क) यह शृंखला के चरम मूल्यों से प्रभावित है।

प्रश्न 7. हम जैसे-जैसे उत्पादन संभावना चक्र पर बायीं ओर जाते हैं, इसकी ढलान–

(क) बढ़ती है
(ख) घटती है
(ग) स्थिर रहती है
(घ) पहले घटती है फिर बढ़ती है

उत्तर– (ग) स्थिर रहती है।

अथवा

उत्पादन संभावना वक्र जिस समस्या को दर्शाता है, वह है–

(क) संसाधनों का उपयोग (ख) उत्पादन का वितरण
(ग) आर्थिक विकास (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(क) संसाधनों का उपयोग।

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन-सी आपूर्ति के नियम की मान्यता नहीं है?

(क) अन्य वस्तुओं की कीमतें बदलती हैं
(ख) आगतों की कीमतों में परिवर्तन नहीं होता
(ग) कर नीति में परिवर्तन नहीं होता
(घ) फर्म के उद्देश्य में परिवर्तन नहीं होता

उत्तर–(क) अन्य वस्तुओं की कीमतें बदलती हैं।

अथवा

निम्नलिखित में से किस कारण से आपूर्ति वक्र दायीं ओर नहीं खिसकेगा?

(क) अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी
(ख) आगतों की कीमत में वृद्धि
(ग) बेहतर प्रौद्योगिकी का प्रयोग
(घ) उत्पादन शुल्क में कमी

उत्तर–(क) अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी।

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से कौन-सी परिवर्ती लागत है?

(क) कच्चे माल की लागत (ख) परिवहन व्यय
(ग) उत्पादन शुल्क (घ) इनमें से सभी

उत्तर–(घ) इनमें से सभी।

अथवा

औसत लागत तब बढ़ती है, जब–

(क) सीमान्त लागत बढ़ती है
(ख) सीमान्त लागत औसत लागत से अधिक होती है
(ग) औसत परिवर्ती लागत बढ़ती है
(घ) स्थिर लागत बढ़ती है

उत्तर–(घ) स्थिर लागत बढ़ती है।

प्रश्न 10. एक पूर्णतया लोचदार माँग वक्र–

(क) X-अक्ष के समानान्तर होता है
(ख) Y-अक्ष के समानान्तर होता है
(ग) धनात्मक ढलान वाला होता है
(घ) ऋणात्मक ढलान वाला होता है

उत्तर–(क) X-अक्ष के समानान्तर होता है।

अपवा

एक वस्तु की मांग की लोच प्रभावित होती है

(क) वस्तु की प्रकृति से (ख) वस्तु की कीमत से
(ग) क्रेता की आय से (घ) इनमें से सभी

उत्तर–(ख) वस्तु की कीमत से।

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किसका मूल्य एक से अधिक हो सकता है?

(क) माध्य (ख) माध्यिका
(ग) बहुलक (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से कौन-सी किसी अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या नहीं है?

(क) क्या उत्पादन करें
(ख) कहीं उत्पादन करें
(ग) कैसे उत्पादन करें
(घ) किसके लिए उत्पादन करें

उत्तर–(ख) कहीं उत्पादन करें।

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से कौन-सी माँग के नियम की मान्यता नहीं है?

(क) प्रतिस्थापन वस्तुओं की कीमतें नहीं बदलती
(ख) पूरक वस्तुओं की कीमतें नहीं बदलती
(ग) क्रेताओं की अभिरुचि और वरीयता बदल सकती है
(घ) इसके क्रेताओं की आय नहीं बदलती

उत्तर–(ग) क्रेताओं की अभिरुचि और वरीयता बदल सकती है।

प्रश्न 14. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (एम०पी०सी०) और सीमांत बचत प्रवृत्ति (एम०पी०एस०) का योग–

(क) 1 से अधिक हो सकता है
(ख) 1 से कम हो सकता है
(ग) 1 के बराबर होता है
(घ) इनमें से कोई भी हो सकता है

उत्तर–(ग) 1 के बराबर होता है।

अथवा

आय और प्रयोज्य आय में अन्तर का कारण है–

(क) कर (ख) ब्याज की दर
(ग) संपत्ति (घ) इनमें से सभी

उत्तर–(क) कर।

प्रश्न 15. एक वस्तु की माँग को पूर्णतया बेलोचदार कहा जाता है, जब इसकी माँग-मात्रा नहीं बदलती है–

(क) इसके क्रेता की आय में परिवर्तन के कारण
(ख) प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

अर्थशास्त्र
(ECONOMICS)

मॉड्यूल - I: भारतीय आर्थिक विकास
(Indian Economic Development)

भारतीय अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन
(Overview of Indian Economy)

1

परिचय

भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था है। भारतीय अर्थव्यवस्था की कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं–निम्न प्रति व्यक्ति आय, अधिक जनसंख्या, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, गरीबी तथा आय के वितरण में अत्यधिक असमानता, पूँजी निर्माण का उच्च स्तर तथा नियोजित अर्थव्यवस्था। भारत की प्रति व्यक्ति आय विकसित देशों की अपेक्षा बहुत कम है। अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय भारत की प्रति व्यक्ति आय से 15 गुना अधिक है।

भारत अत्यधिक जनसंख्या वाला देश है। विश्व में चीन के बाद भारत की जनसंख्या सबसे अधिक है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121 करोड़ से भी अधिक थी। भारत की जनसंख्या बढ़ने का सबसे प्रमुख कारण मृत्यु दर में कमी है। 2010 में भारत में मृत्यु दर 7.2 व्यक्ति प्रति एक हजार थी। अत्यधिक जनसंख्या भारत के लिए चिन्ता का विषय बन गई है। भारत की अधिकांश जनसंख्या आज भी कृषि कार्यों में ही सलंग्न है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की लगभग 58% जनसंख्या कृषि कार्यों से जुड़ी हुई है। परंतु भारत में कृषि की उत्पादकता काफी कम है। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का हिस्सा केवल 17% है।

भूमि की कम उपलब्धता, निरक्षरता तथा तकनीकी का अभाव भारत में निम्न कृषि उत्पादकता के प्रमुख कारण हैं। भारत में गरीबी एवं आय की असमानता भी प्रमुख समस्या बन चुकी है। एक अनुमान के अनुसार आज भी भारत में लगभग 26.93 करोड़ लोग गरीब हैं। गरीबी के कारण बेरोजगारी में भी वृद्धि हुई है। गरीबी के साथ-साथ भारत में आय की विषमताएँ भी विद्यमान हैं। भारत में केवल 5% परिवारों के पास कुल सम्पत्ति का 40% भाग है, जबकि निम्न 60% परिवारों के पास केवल 13% सम्पत्ति है। जनसंख्या बढ़ने से भारत की श्रम शक्ति में लगातार वृद्धि होती जा रही है, परंतु उस अनुपात में रोजगार में वृद्धि नहीं हुई। पूँजी निर्माण तथा निवेश की उच्च दर भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सकारात्मक विशेषता है। आजादी के समय भारत की अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख समस्या पूँजी स्टॉक की कमी थी। भारत ने अपना विकास नियोजन के अंतर्गत किया।

भारत में पंचवर्षीय योजनाओं की शुरुआत 1951 से की गई थी। अब तक भारत ग्यारह पंचवर्षीय योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरी कर चुका है। इस समय बारहवीं पंचवर्षीय योजना चल रही है। आज भारत को एक समृद्ध अर्थव्यवस्था माना जा रहा है। भारत की प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि परिलक्षित हुई है, जिसका श्रेय नियोजन को जाता है।

कृषि को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। 1947 में भारत की लगभग 70% आबादी कृषि पर ही निर्भर थी। परंतु धीरे-धीरे भारत में उद्योग क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र का विस्तार हुआ है, जिसके कारण कृषि पर निर्भरता कम हुई है। 2012 में कुल श्रम शक्ति का 51% भाग कृषि कार्यों से जुड़ा हुआ था। कृषि भोजन का प्रमुख स्रोत है। 2012-13 में भारत में खाद्यान्नों का उत्पादन 25.9 करोड़ टन था। भारत की जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि को देखते हुए खाद्यान्नों का उत्पादन और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। खाद्यान्नों के अंतर्गत दालों के उत्पादन में अधिक वृद्धि नहीं हो पाई है। कृषि क्षेत्र विदेशी मुद्रा कमाने का भी एक प्रमुख स्रोत है। 2011-12 में भारत के निर्यात में कृषि क्षेत्र का योगदान 12.3% था। आजादी के बाद नियोजन के अंतर्गत भारत में उद्योगों का भी

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

काफी विकास हुआ है। 1956 में भारत सरकार ने औद्योगिक नीति का निर्माण किया। इस नीति में सबसे अधिक बल भारी उद्योगों की स्थापना पर दिया गया था।

द्वितीय तथा तृतीय पंचवर्षीय योजनाओं में औद्योगिकीकरण में काफी विकास हुआ। 1991 में भारत सरकार ने उदारीकरण की नीति अपनायी, जिसके अंतर्गत कठोर लाइसेंस प्रणाली को समाप्त कर दिया गया। औद्योगिक विकास के मॉडल को LPG अर्थात उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण कहते हैं। 1990 के दशक के आरंभिक वर्षों में औद्योगिकीकरण में महत्त्वपूर्ण विकास हुआ, जिसके कारण थे–निवेश में वृद्धि, उत्पादन कर में कमी तथा वित्त की उपलब्धता आदि। 21वीं सदी के आरंभिक वर्षों में भी विकास दर में बढ़ोत्तरी हुई। परंतु 2008-09 के बाद विकास की गति धीमी पड़ गई, जिसके कारण थे–पेट्रोलियम की कीमतों का बढ़ना, ब्याज की दर का बढ़ना तथा विदेशी ऋण में वृद्धि।

पाठगत प्रश्न 1.1

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

प्रश्न 1. भारत की प्रति व्यक्ति आय चीन से .....हैं?

(अ) दोगुनी (ब) एक-तिहाई
(स) उतनी ही (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(ब) एक-तिहाई

प्रश्न 2. संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय भारत से .....?

(अ) 15 गुना (ब) 10 गुना
(स) अपेक्षाकृत कम (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(अ) 15 गुना

प्रश्न 3. 2011 की जनसंख्या के अनुसार, भारत की जनसंख्या है .....?

(अ) 100 करोड़ से अधिक
(ब) 100 करोड़ से कम
(स) 121 करोड़ से अधिक
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(स) 121 करोड़ से अधिक

प्रश्न 4. 2010 में भारत की जन्मदर थी–

(अ) 20.2 (ब) 21.2
(स) 22.1 (द) 23.2

उत्तर–(स) 22.1

प्रश्न 5. 2010 में भारत की मृत्युदर थी–

(अ) 7.2 (ब) 7.4
(स) 7.8 (द) 7.9

उत्तर–(अ) 7.2

प्रश्न 6. भारत की जनसंख्या वृद्धि तीव्र थी, क्योंकि–

(अ) मृत्यु दर जन्म दर से अधिक है
(ब) जन्म दर मृत्यु दर से अधिक है
(स) जन्म दर मृत्यु दर के समान है
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(ब) जन्म दर मृत्यु दर से अधिक है

प्रश्न 7. 2011 में भारत की कार्यशील जनसंख्या का ..... प्रतिशत कृषि में संलग्न था।

(अ) 70 (ब) 80
(स) 68 (द) 58

उत्तर–(द) 58

प्रश्न 8. 2011 में भारत की राष्ट्रीय आय में कृषि का योगदान था लगभग

(अ) 10% (ब) 20%
(स) 17% (द) 25%

उत्तर–(स) 17%

पाठगत प्रश्न 1.2

प्रश्न 1. 1950-51 में भारत की राष्ट्रीय आय में कृषि का अंश कितना था?

उत्तर–1950-51 में भारत की राष्ट्रीय आय में कृषि का अंश लगभग 56.5% था।

प्रश्न 2. आर्थिक विकास के साथ, श्रम शक्ति में उद्योग से कृषि में स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति होती है। (सत्य अथवा असत्य)

उत्तर–यह कथन असत्य है।

प्रश्न 3. 2011-12 में भारत के निर्यात में कृषि का अंश कितना था?

उत्तर–2011-12 में भारत के निर्यात में कृषि का अंश 12.3% था।

प्रश्न 4. एल.पी.जी. का पूरा नाम दीजिए।

उत्तर–एल.पी.जी का पूरा नाम है–उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण।

प्रश्न 5. 1956 की औद्योगिक नीति ने इसकी व्यूह रचना पर बल दिया–

(अ) हल्के उद्योग (ब) लघु और मध्यम उद्योग
(स) भारी उद्योग (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर–(स) भारी उद्योग।

पाठांत प्रश्न

लघु-उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. भारतीय अर्थव्यवस्था की दो नकारात्मक तथा एक सकारात्मक विशेषताएँ दीजिए।

उत्तर–भारतीय अर्थव्यवस्था की दो नकारात्मक विशेषताएँ इस प्रकार हैं–

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

(1) कृषि पर अधिक निर्भरता–कृषि पर अत्यधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था की एक नकारात्मक विशेषता है। विकास के इस दौर में भी भारत की अधिकांश आबादी आज भी कृषि से ही अपनी आजीविका प्राप्त कर रही है। भारत की लगभग 58% आबादी आज भी कृषि कार्यों में संलग्न है, जो भारत के विकास में एक प्रमुख बाधा है।

(2) निम्न-प्रति व्यक्ति आय–यह भी भारतीय अर्थव्यवस्था की एक नकारात्मक विशेषता है। भारत में प्रति-व्यक्ति आय अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय भारत से 15 गुना तथा चीन की प्रति व्यक्ति आय भारत से 3 गुना अधिक है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की एक सकारात्मक विशेषताएं

(1) नियोजित अर्थव्यवस्था–यह भारतीय अर्थव्यवस्था की एक महत्त्वपूर्ण सकारात्मक विशेषता है। आजादी के बाद भारत ने नियोजित परियोजनाओं के अंतर्गत आर्थिक विकास की आधारशिला रखी थी। पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के विकास को पर्याप्त महत्त्व दिया गया।

प्रश्न 2. भारत में कृषि में निम्न उत्पादकता के दो कारण दीजिए।

उत्तर–भारत में कृषि में निम्न उत्पादकता इन कारणों से हैं–

(1) प्रति व्यक्ति भूमि की बहुत कम उपलब्धता–भारत में प्रति व्यक्ति भूमि की उपलब्धता बहुत कम है, जिसके कारण खेतों का आकार बहुत छोटा हो जाता है और उत्पादकता बहुत कम रह जाती है। कम भूमि के कारण अच्छी उपज लेने में भी काफी कठिनाइयाँ आती हैं।

(2) कृषि में अच्छी तकनीक का अभाव–भारत में कृषि में अच्छी तकनीक का अभाव है, जिसके कारण प्रति हेक्टेयर भूमि में उत्पादकता काफी कम है। विकसित देशों में प्रति हेक्टेयर उपज भारत की तुलना में कई गुना अधिक है।

प्रश्न 3. भारत में जनसंख्या में वृद्धि का मुख्य कारण क्या है?

उत्तर–भारत में जनसंख्या वृद्धि का सबसे प्रमुख कारण है, मृत्यु दर में कमी। स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बीमारियों की रोकथाम के परिणामस्वरूप भारत में मृत्युदर में कमी आई है, जिसके कारण जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी है, परंतु जन्मदर में अभी भी कमी नहीं आई है।

प्रश्न 4. भारत को नियोजित अर्थव्यवस्था क्यों कहा जाता है?

उत्तर–भारत को नियोजित अर्थव्यवस्था इसलिए कहा जाता है क्योंकि भारत ने अपना आर्थिक विकास पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत किया है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की गति को बढ़ाने के लिए 1951 में प्रथम पंचवर्षीय योजना प्रारंभ की गई थी। आजादी के बाद आर्थिक विकास की गति को अधिक तेज करने के लिए नियोजन को प्राथमिकता दी गयी।

प्रश्न 5. ग्रामीण क्षेत्र के लिए गरीबी रेखा की परिभाषा दीजिए।

उत्तर–ग्रामीण क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति 2400 कैलोरी मान के आवश्यक भोजन की मात्रा का उपभोग करने के योग्य नहीं है, तो वह व्यक्ति गरीबी की रेखा से नीचे कहलाएगा। यदि कोई व्यक्ति (ग्रामीण क्षेत्र में) एक महीने में ₹ 816 भी नहीं कमा पाता, तो उसे हम गरीबी रेखा से नीचे मान सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति एक दिन में ₹ 28 भी नहीं कमा पाता, तो उसे हम गरीबी रेखा से नीचे मान सकते हैं।

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. भारत अत्यंत जनसंख्या दबाव से पीड़ित है। व्याख्या कीजिए।

उत्तर–भारत विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा देश है। सिर्फ चीन की जनसंख्या ही भारत से अधिक है। ऐसा माना जा रहा है कि 2050 तक भारत जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121 करोड़ से अधिक है। भारत में 1990-2011 तक की अवधि में जनसंख्या की वृद्धि दर 1.03% रही। भारत की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के अनेक कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है, मृत्यु दर में तेजी से कमी। स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बीमारियों की रोकथाम के परिणामस्वरूप भारत में मृत्युदर में कमी आई है। परंतु मृत्युदर के विपरीत जन्मदर उतनी तेजी से नहीं घटी है। मृत्युदर को जनसंख्या में प्रति हजार मरने वाले व्यक्तियों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है, जबकि जन्मदर को जनसंख्या में प्रति हजार जन्म लेने वाले व्यक्तियों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। 2010 में भारत में जनसंख्या पर जन्मदर 22.1 व्यक्ति प्रति हजार थी, जबकि मृत्युदर 7.2 व्यक्ति प्रति हजार थी।

निम्न मृत्यु दर को हम कोई समस्या नहीं मान सकते, बल्कि यह विकास का प्रतीक है। निम्न मृत्यु दर से यह पता चलता है कि स्वास्थ्य सेवाओं का पर्याप्त विस्तार हुआ है तथा मृत्युदर पर नियंत्रण कर लिया गया है, परंतु उच्च जन्मदर को हम एक समस्या मान सकते हैं, क्योंकि यह जनसंख्या पर दबाव डालती है। 1921 के बाद से भारत की जनसंख्या काफी तेज गति से बढ़ी है। इसका कारण यह है कि मृत्युदर में कमी आई है, जबकि जन्म दर बहुत धीमी गति से घटी है। 1921 में भारत में जन्मदर 49 थी, जबकि 2010 में यह 22.1 थी। इसी अवधि में मृत्युदर 49 से घटकर 7. 2 पर आ गई। इसलिए भारत में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि परिलक्षित

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

होती है। जनसंख्या का अत्यधिक मात्रा में बढ़ना भारत के लिए चिन्ता का विषय है। बढ़ती जनसंख्या को शिक्षा, भोजन, चिकित्सा सुविधा तथा आधारिक सरंचना प्रदान करने के लिए संसाधन जुटाने के कारण राजकोष पर भी अत्यधिक दबाव पड़ा है।

प्रश्न 2. भारतीय अर्थव्यवस्था की दो सकारात्मक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–भारतीय अर्थव्यवस्था की दो सकारात्मक विशेषताएँ इस प्रकार हैं–

(1) पूँजी निर्माण अथवा निवेश की उच्चदर–आजादी के बाद भारत के समक्ष एक प्रमुख समस्या पूँजी के स्टॉक की कमी थी। पूँजी के स्टॉक में निम्नलिखित चीजें शामिल थी–भूमि, भवन, मशीनें, उपकरण तथा बचत के रूप में धन। यह आवश्यक था कि आर्थिक गतिविधियों; जैसे–उत्पादन और उपभोग के चक्र को बनाए रखने के लिए उत्पादन के एक निश्चित अनुपात को बचत और निवेश की तरफ जाना चाहिए था। परंतु आजादी के बाद के पाँच दशकों में यह अनुपात कभी भी दृष्टिगत नहीं हुआ। इसका कारण था–निम्न एवं गरीब लोगों द्वारा वस्तुओं के उपभोग का उच्च स्तर, जिसके कारण परिवारों की सामूहिक बचत काफी कम रही। टिकाऊ वस्तुओं का उपभोग भी काफी कम किया गया। परंतु हाल के वर्षों में इस प्रवृत्ति में बदलाव देखने को मिले हैं।

अर्थशास्त्रियों ने अपने अध्ययन में यह बताया है कि यदि भारत को अपनी बढ़ती हुई जनसंख्या को पालना है, उसकी जरूरतें पूरी करनी हैं, तो सकल घरेलू उत्पाद के 14% भाग का निवेश करना होगा। 2011 के लिए भारत की बचत दर 31.7% है, जो एक उत्साहजनक स्थिति थी। 2011 में ही सकल पूँजी निर्माण का अनुपात 36.6% था। अब लोग बैंकों में बचत करने के साथ-साथ टिकाऊ वस्तुओं का उपभोग भी कर सकते हैं। पिछले एक दशक में सार्वजनिक जनसेवाओं और आधारिक संरचना में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

(2) नियोजित अर्थव्यवस्था–भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नियोजित अर्थव्यवस्था माना जाता है। आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने के लिए 1951-56 की अवधि में प्रथम पंचवर्षीय योजना प्रारंभ की गई। तब से अब तक पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक विकास की प्रक्रिया चल रही है। नियोजन के अत्यधिक लाभ हैं। नियोजन के द्वारा देश सबसे पहले उन समस्याओं पर ध्यान देता है, जिनका समाधान सबसे पहले किया जाना चाहिए। इसके बाद वित्तीय अनुमान लगाया जाता है कि क्या समस्याओं के समाधान के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं या नहीं? विभिन्न स्रोतों से संसाधन प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। भारत ने अब तक 11 पंचवर्षीय योजनाएँ पूरी कर ली हैं तथा अब 12वीं पंचवर्षीय योजना चल रही है। प्रत्येक योजना की समाप्ति पर उपलब्धियों तथा कमियों का विश्लेषण किया जाता है। गत योजना में जो कमियाँ रह जाती हैं, उन्हें अगली योजना में दूर करने का प्रयास किया जाता है। वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक समृद्ध अर्थव्यवस्था माना जाता है। भारत को भविष्य की आर्थिक शक्ति के रूप में महत्त्व दिया जा रहा है। आजादी के समय भारत की प्रति व्यक्ति आय काफी कम थी, परंतु अब यह काफी तेजी से बढ़ रही है। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें असीमित संभावनाएँ मौजूद हैं। यह कहना गलत न होगा कि यह सब नियोजन के फलस्वरूप ही हुआ है।

प्रश्न 3. भारत की प्रति व्यक्ति आय निम्न है। क्या आप इससे सहमत हैं? कारण दीजिए।

उत्तर–इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व के उन्नत एवं कुछ विकासशील देशों की अपेक्षा भारत की प्रति-व्यक्ति आय काफी कम है। भारत को विश्व में एक ऐसे देश के रूप में जाना जाता है, जिसकी प्रति व्यक्ति आय अपेक्षाकृत निम्न है। प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय आय तथा जनसंख्या के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है। व्यक्ति की एक वर्ष की औसत आय को प्रति व्यक्ति आय कहा जाता है। परंतु इससे व्यक्ति की वास्तविक आय के बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं होती।

भारत में 2012-13 में अनुमानित प्रति व्यक्ति आय ₹ 39,168 थी। प्रति माह के हिसाब से प्रति व्यक्ति आय ₹ 3264 थी। यदि हम भारत की प्रति व्यक्ति आय की तुलना अन्य देशों से करें, तो हमें पता चलता है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत विश्व के बहुत-से देशों से काफी पीछे है। उदाहरण के लिए, अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय भारत की प्रति व्यक्ति आय से 15 गुना अधिक है। भारत में यदि किसी व्यक्ति की औसत वार्षिक आय ₹1000 है, तो अमेरिका में ₹ 15000 है। इसी प्रकार चीन की प्रति व्यक्ति आय भारत से तीन गुना अधिक है। इसलिए हम इस बात से सहमत हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति आय काफी निम्न है, जिस पर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है।

प्रश्न 4. कृषिप्रधान देश के रूप में भारत का वर्णन कीजिए।

उत्तर–भारत एक कृषिप्रधान देश है। भारत की लगभग 58% आबादी कृषि कार्यों से ही अपनी जीविका अर्जित करती है। 2011 की जनगणना के अनुसार भी भारत की लगभग 58% आबादी कृषि कार्यों से जुड़ी हुई है। परंतु इसके बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान बहुत कम है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 17% से कुछ अधिक है। भारत में कृषि भूमि का क्षेत्रफल तो बहुत है, परंतु वह टुकड़ों में विभाजित है। भारतीय कृषि से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यहाँ उत्पादकता बहुत कम है। इसके कई कारण हैं–भारत में प्रति व्यक्ति भूमि की उपलब्धता काफी कम है, जिसके कारण उत्पादकता भी कम रह जाती है। कुछ भूमि ऐसी है, जिस पर

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com